चित्रकूट 28 अगस्त। अंधकार से प्रकाश की ओर सतना की शुरुआत जिला कलेक्टर श्री संतोष मिश्रा की अगुवाई में हो चुकी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला सतना को मोतियाबिन्द बैकलाग रहित करने का वीडा उठाया गया है। कलेक्टर महोदय ने इस काम के लिये श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय को जिम्मेदारी सौंपी है। इस सम्बंध में जिला कलेक्टर श्री मिश्रा जी के साथ चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0जैन एवं चिकित्सालय के स्टाफ के साथ कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस कार्ययोजना के तहत आंगनवाडो कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण देकर गॉव–गॉव में जाकर आउटरिच कैम्प करने थे जिसमें अभी तक मझगवां, सोहावल, नागोद, उचेहरा, मैहर ब्लाकों में 2004 आंगनवाडो कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण देकर 556 कैम्प किये जा चुके हैं। जिसमें अभी तक कुल 6140 मरीजों का ऑपरेशन कर रोशनी प्रदान की जा चुकी है। मानक के आधार पर सतना जिले की जनसंख्या लगभग 22 लाख है इस पर 24 हजार मोतियाबिन्द के ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है। माह सितम्बर में 137 नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करने का लक्ष्य प्रस्तावित है। आउटरिच कैम्प के माध्यम से सतना जिले को मोतियाबिन्द बैकलाग रहित करने के कार्यक्रम में नेत्र चिकित्सालय द्वारा मरीजों को लाने, छोडने, ऑपरेशन एवं दवा चश्मा आदि की सारी व्यवस्था निःशुल्क सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय द्वारा दी जा रही है। कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को 31 मार्च 2016 तक पूरा करना है। अन्धत्व निवारण के इस कार्यक्रम को और अधिक गति देने के श्रीमान् जी ने स्वास्थ्य विभाग के सहित जिला प्रशासन से हर संभव मदद देने के लिये कहा है। नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0 जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा एवं सभी समाज सेवी संगठनों के द्वारा सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मीडिया के सहयोग की प्रशंसा करते हुये आगे भी अपेक्षा की है। निर्धारित कैम्प की तिथियों में ऑख से पीडित सभी मरीज कैम्प स्थल में पहुंच कर लाभ लें। कैम्पों की जानकारी अपने नजदीक में रहने वाली ऑगनवाडो कार्यकत्रियों से प्राप्त कर सकते हैं।